Bihar Board Class 6 Social Science History Notes Chapter 10 शहरी एवं ग्राम जीवन

पाठ का सारांश

- दक्षिण भारत के बड़े किसानों को वेल्लाल कहा जाता था तथा छोटे किसान को उणवार कहा जाता था।
- महाजनपदों की राजधानियां भी प्रायः परकोटे या बाहरी दीवारों से घिरे होते थे।
- विदेशी शक्तियों के भारत आगमन के कारण व्यापार-वाणिज्य में वृद्धि से सिक्कों का प्रचलन बढ़ा।
- शहर कई गतिविधियों के केन्द्र हुआ करते थे, शहर में व्यापार, वाणिज्य,
- धर्म, शिक्षा आदि के केन्द्र के रूप में विकसित थे।
- दक्षिण भारत में दूसरी शताब्दी ई०पू० से लेकर दूसरी शताब्दी तक का
- काल संगम काल के नाम से जाना जाता है।
- संगमकालीन भारत के तटीय शहरों तोण्डी; मुजरिश, पुहार, अरिकमेडु में यवन व्यापारी काफी संख्या में रहते थे।
- लोहे के औजारों का कृषि के क्षेत्र में प्रयोग से खेती का विकास संभव हो सका।
- सुदर्शन झील का निर्माण सर्वप्रथम चन्द्रगुप्त मौर्य ने करवाया था, यह गुजरात में स्थित है।
- सुदर्शन झील से सिंचाई के लिए नहरें निकाली गई।
- सिंचाई एवं औजारों के प्रयोग से अनाज का उत्पादन बढ़ा।
- हमें शहरों की अपेक्षा गांवों के बारे में अपेक्षाकृत कम जानकारी प्राप्त है।
- गांव में सबसे प्रभावशाली व्यक्ति गांव का मुखिया होता था। जिसे ग्रामभोजक भी कहा जाता था।

evidyarthi

https://www.evidyarthi.in/